

विचित्र लिंग परिवर्तन

बात इंसानों की नहीं कीड़ों की हो रही है मगर आप देखेंगे कि ये कीड़े भी विचित्र लैंगिक व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। एक कीड़ा है अफ्रीकी वैट बग (साइमोक्स एडजंक्टस)। इसमें नर बेट बग के शरीर पर मादा जननांग नुमा अंग पाए जाते हैं जबकि कुछ मादा बेट बग्स में अपने स्वयं के जननांग के अलावा मादा जननांग के नर रूप का अवशिष्ट रूप भी पाया जाता है।

बैट बग दरअसल जाने-पहचाने खटमल का करीबी है। इनमें प्रजनन क्रिया अजीब होती है। नर अपने शुकाणु

मादा के शरीर में पहुंचाने के लिए उचित मार्ग अर्थात योनि का उपयोग नहीं करते। वे तो मादा के उदर में छेद करके शुकाणुओं को सीधे खून में प्रविष्ट करा देते हैं। ये शुकाणु खून में बहते-तैरते अण्डाशय तक पहुंच जाते हैं। इसे 'पीड़ादायक गर्भाधान' कहा जाता है और इसी का परिणाम है कि बैट बग और खटमल में जननांगों की विचित्र स्थिति देखने को मिलती है। कम से कम यू.के. के शेफील्ड विश्वविद्यालय के क्लास राइनहार्ट का यही मत है।

दरअसल मादा खटमलों ने नर लिंग घोंपे जाने से बचने के लिए कुछ उपाय किए हैं। उनके उदर पर एक रचना पाई जाती है जिसे पैराजेनाइटल यानी आंशिक जननांग कहते हैं। इसका फायदा यह होता है कि नर लिंग यहां-वहां नहीं घोंपा जाता बल्कि इस मुलायम रचना की ओर



सरका दिया जाता है। इस आंशिक जननांग में बड़ी संख्या में प्रतिरक्षा कोशिकाएं भी पाई जाती हैं।

राइनहार्ट ने कीनिया के एल्मॉन पर्वत की एक गुफा में इन खटमलों का अध्ययन किया तो पाया कि नर खटमलों के शरीर पर भी मादा के समान घाव के निशान थे। इसका मतलब नर एक-दूसरे पर भी लिंग से हमला करने का प्रयास करते रहते हैं। और तो और 84 प्रतिशत मादाओं में भी इसी तरह के निशान पाए गए। ये निशान वास्तव में घाव के न होकर एक विशेष रचना के निशान

हैं। यानी मादा खटमलों में इस नर रक्षक रचना का विकास होने लगा है।

राइनहार्ट का मत है कि जब नर एक-दूसरे पर लिंग से हमला करते हैं, तो उनमें मादा जननांग का एक नर संस्करण विकसित हुआ होगा जिससे उन्हें सुरक्षा मिली होगी। इसी के परिणाम स्वरूप मादा में भी इसका विकास होने लगा है।

वैसे तो सैद्धांतिक मॉडल्स दर्शाते हैं कि मादाओं में सुरक्षा के विविध उपाय विकसित होने चाहिए मगर यह पहली बार है कि जननांगों में इस ढंग के विकास देखे गए हैं। *दी अमेरिकन नेचुरलिस्ट* में प्रकाशित इस शोध पत्र के निष्कर्ष स्वरूप राइनहार्ट कहते हैं कि यह लैंगिक टकराव के ज़रिए जैव विकास का एक अनूठा उदाहरण है। (**स्रोत फीचर्स**)